Instructions: All questions are compulsory. The number of marks carried by a question/part is indicated against it. Quality of the answer is more important than the length of the answer.

निर्देश : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न द्वारा धारित अंकों को उसके सामने इंगित किया गया है। उत्तर की गुणवत्ता उत्तर की लंबाई की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण है।

Section - A

Q.1) a) Success may not lead you to happiness, but happiness is definitely the key to success. Discuss this statement based on your understanding of happiness and success. (10 marks, 150 words)

सफलता आपको प्रसन्नता की ओर नहीं ले जा सकती है, लेकिन प्रसन्नता निश्चित रूप से सफलता की कुंजी है। प्रसन्नता और सफलता के बारे में अपनी समझ के आधार पर इस कथन पे चर्चा कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

b) Education is useless, unless it can move one's conscience into action. Analyze the role of education in building conscientious character. (10 marks, 150 words)

शिक्षा तब तक बेकार है, जब तक वह किसी की अंतरात्मा को क्रिया में नहीं ला सकती। कर्तव्यनिष्ठ चरित्र के निर्माण में शिक्षा की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

Q.2) a) What are the main factors responsible for social inequality in the country? Discuss the role of Dr. BR Ambedkar in paving the way for social equity. (10 marks, 150 words)

देश में सामाजिक असमानता के लिए जिम्मेदार मुख्य कारक क्या हैं? सामाजिक समानता का मार्ग प्रशस्त करने में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की भूमिका की चर्चा कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

b) Discuss the role of religion in value inculcation. Do you think religion makes a theist more ethical than an atheist? (10 marks, 150 words)

मूल्य निर्धारण में धर्म की भूमिका की विवेचना कीजिए। क्या आपको लगता है कि धर्म नास्तिक की तुलना में आस्तिक को अधिक नैतिक बनाता है? (10 अंक, 150 शब्द)

Q.3) a) What does each of the following quotations mean to you? (10 marks, 150 words)
"Experience is the only teacher we have. We may talk and reason all our lives, but we shall not understand a word of truth, until we experience it ourselves" - Swami Vivekananda

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण आपके लिए क्या मायने रखता है? (10 अंक, 150 शब्द)
"अनुभव ही हमारे पास एकमात्र शिक्षक है। हम जीवन भर बात एवं तर्क कर सकते हैं, लेकिन हम सत्य के एक शब्द को तब तक नहीं समझ सकते हैं, जब तक कि हम इसे स्वयं अनुभव न करें" – स्वामी विवेकानंद

b) "Individuals should cultivate noble traits so that socio-political organizations are free from highly despicable men." - Thirukkural (10 marks, 150 words)

"व्यक्तियों को महान गुणों का विकास करना चाहिए ताकि सामाजिक–राजनीतिक संगठन अत्यधिक कुत्सित पुरुषों से मुक्त हो सकें।" – तिरुक्कुरल (10 अंक, 150 शब्द)

Q.4) a) Differentiating between morality and ethics, discuss the consequence of their convergence and divergence. (10 marks, 150 words)

नैतिकता और नीति शास्त्र के बीच अंतर करते हुए, उनके अभिसरण और विचलन के परिणामों पर चर्चा करें। (10 अंक, 150 शब्द)

b) Fear is a negative emotion that leads to psychological stress and undesirable behaviors. Discuss. How can it be managed and controlled? (10 marks, 150 words)

भय एक नकारात्मक भावना है जो मनोवैज्ञानिक तनाव और अवांछनीय व्यवहार की ओर ले जाती है। चर्चा कीजिए। इसे कैसे प्रबंधित और नियंत्रित किया जा सकता है? (10 अंक, 150 शब्द)

Q.5) a) Examine the relevance of following in the context of civil services: (10 marks, 150 words)
सिविल सेवाओं के संदर्भ में निम्नलिखित की प्रासंगिकता का परीक्षण करें : (10 अंक, 150 शब्द)

1) Neutrality
तटस्थता

2) Intellectual Courage
बौद्धिक साहस

3) Diligence
अध्यवसाय

4) Selflessness
निस्वार्थता

b) Emotional intelligence involves not only understanding how emotions work, but also the ability to make emotions work. Elaborate with relevant examples. (10 marks, 150 words)

भावनात्मक बुद्धिमत्ता में न केवल यह समझना शामिल है कि भावनाएं कैसे काम करती हैं, बल्कि भावनाओं से काम करवाने की योग्यता भी शामिल है। प्रासंगिक उदाहरणों के साथ विस्तृत विवेचना कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

Q.6) a) What do you understand by environmental ethics? Examine the ethical concerns in 'phase-down versus phase out debate' in the use of coal by developing countries. (10 marks, 150 words)

पर्यावरणीय नैतिकता से आप क्या समझते हैं? विकासशील देशों द्वारा कोयले के उपयोग में 'फेज डाउन बनाम फेज आउट डिबेट' में नैतिक सरोकारों का परीक्षण कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

b) Some people argue that corruption emanates from the incentive structures within the society, while others see corruption as a purely administrative problem. Which view do you think is more appropriate? Justify your answer. (10 marks, 150 words)

कुछ लोगों का तर्क है कि भ्रष्टाचार समाज के भीतर प्रोत्साहन संरचनाओं से उत्पन्न होता है, जबकि अन्य भ्रष्टाचार को विशुद्ध रूप से प्रशासनिक समस्या के रूप में देखते हैं। आपको कौन सा दृष्टिकोण अधिक उपयुक्त लगता है? अपने उत्तर का औचित्य सिद्ध करें। (10 अंक, 150 शब्द)

c) Good governance is not only based on the rule of law, but also on an ethical foundation. Discuss why ethics is important for good governance and upholding the rule of law. (10 marks, 150 words)

सुशासन न केवल विधि के शासन पर आधारित है, बल्कि नैतिक आधार पर भी है। चर्चा करें कि सुशासन और विधि के शासन को बनाए रखने के लिए नैतिकता क्यों महत्वपूर्ण है। (10 अंक, 150 शब्द)

Section - B

Q.7) Sanjay is a fresh post-graduate from a prestigious management college. He was among the top of his batch and has landed a good job with a handsome salary at a food and beverage multinational corporation. This particular company is known for promoting healthy snacks and beverages that have no sugar and low trans-fat content. This was one of the major reasons for Sanjay to apply for this job. Sanjay thinks that through his work, he may be able to contribute something towards a healthy society and fit India.

Sanjay likes the work culture of the organization as well as the nature of his new job. In just a few weeks, Sanjay's out of box thinking has helped him to get into the good books of his manager. One day, Sanjay was called in a meeting by his manager and was given the responsibility of designing a campaign for a new product. This was a big deal for Sanjay because such tasks are given only to experienced employees and he was a fresh joinee. While working on his assignment, Sanjay notices that most of the new products have a considerable amount of sweeteners in it. Although sugar was avoided, it was replaced with other products like maple syrup, corn syrup, fructose etc. This particular product has very high fructose content. High fructose content negatively impacts your metabolic health and may contribute to insulin resistance, metabolic syndrome, heart disease, and type 2 diabetes.

Sanjay tries to discuss the matter with his manager but his manager sternly tells him to do as he is told. His manager tells him that the company is claiming that there is no sugar in their product, which is true and everything they are doing is legal. Further, similar practice is followed by all other competitors in the market. Sanjay still feels that this is a manipulative practice where consumers are deceived into buying unhealthy food products. Sanjay is afraid that taking up this matter with his manager can be counter-productive for his new career and he can even be dismissed as he is still on probation. Sanjay is the sole breadwinner in his family and has a huge education loan to pay off. At first, Sanjay thinks that this is how business is done and he should drop this matter but his conscience keeps on pricking him to do something.

a) Analyze the conduct of the multi-national company from the perspective of ethics.
b) What are different options for Sanjay in this situation? Evaluate each of the options and suggest the most suitable course of action. (20 marks, 250 words)

संजय एक प्रतिष्ठित मैनेजमेंट कॉलेज से फ्रेश पोस्ट ग्रेजुएट हैं। वह अपने बैच के शीर्ष लोगों में से थे और एक खाद्य और पेय बहुराष्ट्रीय निगम में अच्छी तनख्वाह के साथ एक अच्छी नौकरी प्राप्त की है। यह विशेष कंपनी स्वस्थ स्नैक्स और पेय पदार्थों को बढ़ावा देने के लिए जानी जाती है जिनमें चीनी और कम ट्रांस–फैट सामग्री नहीं होती है। संजय द्वारा इस नौकरी के लिए आवेदन करने का यह एक प्रमुख कारण था। संजय को लगता है कि वह अपने काम से स्वस्थ समाज और फिट भारत की दिशा में कुछ योगदान दे सकता है।
संजय को संगठन की कार्य संस्कृति के साथ–साथ अपनी नई नौकरी की प्रकृति भी पसंद है। कुछ ही हफ्तों में, संजय की लीक से हटकर सोच ने उन्हें अपने प्रबंधक की अच्छी **फेहरिस्त** में आने में मदद की है। एक दिन, संजय को उनके प्रबंधक ने एक बैठक में बुलाया और उन्हें एक नए उत्पाद के लिए एक अभियान तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई। संजय के लिए यह बहुत बड़ी बात थी क्योंकि इस तरह के कार्य केवल अनुभवी कर्मचारियों को ही दिए जाते हैं और वह एक नए कर्मचारी थे। अपने असाइनमेंट पर काम करते हुए, संजय ने देखा कि अधिकांश नए उत्पादों में काफी मात्रा में मिठास है। हालांकि चीनी से परहेज किया गया था, इसे अन्य उत्पादों जैसे मेपल सिरप, कॉर्न सिरप, फ्रुक्टोज आदि के साथ बदल दिया गया था। इस विशेष उत्पाद में फ्रुक्टोज की मात्रा बहुत अधिक है। उच्च फ्रुक्टोज सामग्री आपके चयापचय स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालती है और इंसुलिन प्रतिरोध, चयापचय सिंड्रोम, हृदय रोग और टाइप 2 मधुमेह में योगदान कर सकती है।
संजय अपने प्रबंधक के साथ इस मामले पर चर्चा करने की कोशिश करता है लेकिन उसका प्रबंधक सख्ती से कहता है कि जैसा उसे कहा गया है वैसा ही करें। उनका मैनेजर उन्हें बताता है कि कंपनी दावा कर रही है कि उनके उत्पाद में चीनी नहीं है, जो सच है और वे जो कुछ भी कर रहे हैं वह कानूनी है। इसके अलावा, बाजार में अन्य सभी प्रतियोगियों द्वारा इसी तरह की प्रथा का पालन किया जाता है। संजय को अब भी लगता है कि यह एक जोड़–तोड़ की प्रथा है जहां उपभोक्ताओं को अस्वास्थ्यकर खाद्य उत्पाद खरीदने के लिए धोखा दिया जाता है। संजय को डर है कि इस मामले को अपने प्रबंधक के साथ उठाना उसके नए करियर के लिए प्रतिकूल हो सकता है और उसे बर्खास्त भी किया जा सकता है क्योंकि वह अभी भी परिवीक्षा पर है। संजय अपने परिवार में एकमात्र कमाने वाला है और उसके पास भुगतान करने के लिए एक बड़ा शिक्षा ऋण है। पहले तो संजय सोचता है कि ऐसे ही धंधा होता है और उसे यह बात छोड़ देनी चाहिए लेकिन उसकी अंतरात्मा उसे कुछ करने के लिए बाध्य करती रहती है।
a) नैतिकता के दृष्टिकोण से बहु–राष्ट्रीय कंपनी के आचरण का विश्लेषण करें।
b) इस स्थिति में संजय के लिए अलग–अलग विकल्प क्या हैं? प्रत्येक विकल्प का मूल्यांकन करें और सबसे उपयुक्त कार्रवाई का सुझाव दें। (20 अंक, 250 शब्द)

Q.8) Ramesh and Deepa are a married couple who live with their two children. Ramesh works in an IT firm as a software engineer and Deepa teaches English in a high school. Both of them are sincere, diligent and have a great performance record in their work. Their respective workplaces have announced work from home considering the increase in covid cases.
Deepa has been taking online classes for students and Ramesh has been managing office from home. Though work from home seemed convenient initially, it has had its own repercussions. The duration of Deepa's classes almost doubled due to the various complexities associated with digital learning. On the other hand, Ramesh's work load has also increased substantially. Overall, the couple is facing immense pressure in their professional life which is affecting their personal life as well.
Earlier, the professional life and the personal life of the couple were separate. The imbalance created by these disruptions led to increased complexities and difficulties for Ramesh and Deepa in managing their dual roles. Office issues were affecting the atmosphere of the home resulting in disturbances and frequent fights between the couple.

Due to online learning, their kids have also adopted new habits. Not going to school and being unable to play with friends has taken a toll on the physical and mental health of the kids. This has been further aggravated by increased screen time on digital devices. Due to the busy schedule and extra working hours, both the parents have not been able to provide enough time to the children and thus, failing to instill discipline and routine in them. Constant work pressure and bitter fights between the couple has deteriorated the environment of the house. On basis of this case study answer the following:
What according to you is the role of emotional intelligence during lockdown and work from home? Suggest and explain the best course of action to maintain the balance between professional and personal life in the given case. (20 marks, 250 words)

रमेश और दीपा विवाहित जोड़े हैं जो अपने दो बच्चों के साथ रहते हैं। रमेश एक आईटी फर्म में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में काम करता है और दीपा एक हाई स्कूल में अंग्रेजी पढ़ाती है। वे दोनों ईमानदार, मेहनती हैं और अपने काम में शानदार प्रदर्शन रिकॉर्ड रखते हैं। उनके संबंधित कार्यस्थलों ने कोविड के मामलों में वृद्धि को देखते हुए घर से काम करने की घोषणा की है।
दीपा छात्रों के लिए ऑनलाइन कक्षाएं ले रही है और रमेश घर से कार्यालय का प्रबंधन कर रहा है। हालांकि वर्क फ्रॉम होम शुरू में सुविधाजनक लग रहा था, लेकिन इसके अपने नतीजे रहे हैं। डिजिटल लर्निंग से जुड़ी विभिन्न जटिलताओं के कारण दीपा की कक्षाओं की अवधि लगभग दोगुनी हो गई। दूसरी ओर, रमेश का काम का बोझ भी काफी बढ़ गया है। कुल मिलाकर, युगल अपने पेशेवर जीवन में अत्यधिक दबाव का सामना कर रहे हैं जो उनके व्यक्तिगत जीवन को भी प्रभावित कर रहा है।
इससे पहले कपल की प्रोफेशनल लाइफ और पर्सनल लाइफ अलग थी। इन व्यवधानों से उत्पन्न असंतुलन ने रमेश और दीपा के लिए अपनी दोहरी भूमिकाओं के प्रबंधन में जटिलताएँ और कठिनाइयाँ बढ़ा दीं। ऑफिस के मुद्दे घर के माहौल को प्रभावित कर रहे थे जिसके परिणामस्वरूप दंपत्ति के बीच अशांति और अक्सर झगड़े होते थे।
ऑनलाइन पढ़ाई के चलते उनके बच्चों ने भी नई–नई आदतें अपनाई हैं। स्कूल नहीं जाना और दोस्तों के साथ खेलने में असमर्थ होना बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर भारी पड़ रहा है। डिजिटल उपकरणों पर स्क्रीन समय बढ़ने से यह और बढ़ गया है। व्यस्त कार्यक्रम और अतिरिक्त काम के घंटों के कारण, माता–पिता दोनों बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पा रहे हैं और इस प्रकार उनमें अनुशासन और दिनचर्या स्थापित करने में असफल रहे हैं। लगातार काम के दबाव और दंपत्ति के बीच कटु झगड़ों से घर का माहौल खराब हो गया है। इस केस स्टडी के आधार पर निम्नलिखित का उत्तर दें :
आपके अनुसार लॉकडाउन और वर्क फ्रॉम होम के दौरान भावनात्मक बुद्धिमत्ता की क्या भूमिका है? दिए गए मामले में पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए सर्वोत्तम उपाय सुझाते हुए व्याख्या कीजिए। (20 अंक, 250 शब्द)

Q.9) Mahima Industries is a 30-year-old company with annual turnover of Rs 1000 Cr. The founder-chairman of the company Ms Mahima Sikand is being awarded with the Golden Sparrow Award for Corporate Excellence at a business event where the Prime Minister of India is the chief guest. In the opening address of the event the Prime Minister mentioned the problem of dwarfism in Indian industry, and how very few MSMEs have been able to scale up their businesses. The Prime Minister highlighted the role of the government in keeping the size of enterprises small through a system of incentives that effectively penalized firms growing above a certain threshold by reducing government benefits and enforcing higher compliance. He mentioned that there are immense global opportunities. But in order to be part of the global supply chains the Indian companies need to scale up. This would provide them with higher competence and capacity, better quality, and larger market. Indian companies making an impact in the international market would lead to self-reliant India through creation of ample employment opportunities and reducing import dependence. As Ms Sikand listened to the Prime Minister, she smiled in agreement. She recalls difficulties in setting up her business right before the time when India liberalized its economy and moved away from the license-permit system

for industries. She has been a witness to the changes in the culture of business as well as governance in India.

In the 90s, Mahima industries would serve the consumer market in India through importing machinery from Germany. Over time the business paradigm has changed. In recent years Ms Sikand has led a capacity expansion to serve the market in Japan through specialized products. The Specialized products and exports now account for the larger share of revenues for Mahima Industries. Some of the commodities that were earlier made in-house are being sourced from smaller local manufactures. Investments have been made to improve quality control and research & development. This involved importing testing equipments from the USA and Europe and hiring research consultants with experience of working with competitors in India and other countries.

Ms Sikand has had a successful career as an industrialist, and is recognized as a role model for budding entrepreneurs. After the award, she is expected to address the gathering involving the prime minister and other industrialists. What major points would you like her to raise on behalf of the industries? What contributing factors do you see in the success of Mahima industries? How can good governance help businesses become globally competitive? (20 marks, 250 words)

महिमा इंडस्ट्रीज 30 साल पुरानी कंपनी है जिसका सालाना टर्नओवर 1000 करोड़ रुपये है। कंपनी की संस्थापक–अध्यक्ष सुश्री महिमा सिकंद को एक व्यावसायिक कार्यक्रम में कॉर्पोरेट उत्कृष्टता के लिए गोल्डन स्पैरो अवार्ड से सम्मानित किया जा रहा है, जहाँ भारत के प्रधान मंत्री मुख्य अतिथि हैं। कार्यक्रम के उद्घाटन भाषण में प्रधान मंत्री ने भारतीय उद्योग में संकुचन की समस्या का उल्लेख किया, और बहुत कम डैडमे अपने व्यवसायों को बढ़ाने में सक्षम हुए हैं। प्रधान मंत्री ने प्रोत्साहन की एक प्रणाली के माध्यम से उद्यमों के आकार को छोटा रखने में सरकार की भूमिका पर प्रकाश डाला, जो सरकारी लाभों को कम करके और उच्च अनुपालन को लागू करके एक निश्चित सीमा से ऊपर बढ़ने वाली फर्मों को प्रभावी ढंग से दंडित करता है। उन्होंने उल्लेख किया कि अपार वैश्विक अवसर हैं। लेकिन वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनने के लिए भारतीय कंपनियों को बड़े पैमाने पर काम करने की जरूरत है। यह उन्हें उच्च पात्रता और क्षमता, बेहतर गुणवत्ता और बड़ा बाजार प्रदान करेगा। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रभाव डालने वाली भारतीय कंपनियां पर्याप्त रोजगार के अवसरों के सृजन और आयात निर्भरता को कम करके आत्मनिर्भर भारत की ओर ले जाएंगी। जैसे ही सुश्री सिकंद ने प्रधान मंत्री की बात सुनी, वे सहमति में मुस्कुराईं। वह उस समय से ठीक पहले अपना व्यवसाय स्थापित करने में कठिनाइयों को याद करती हैं जब भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था को उदार बनाया और उद्योगों के लिए लाइसेंस–परमिट प्रणाली से दूर हो गया। वह भारत में व्यापार के साथ–साथ शासन की संस्कृति में बदलाव की गवाह रही हैं।

90 के दशक में, महिमा उद्योग जर्मनी से मशीनरी आयात करके भारत में उपभोक्ता बाजार की सेवा की शुरुआत की थी। समय के साथ व्यापार प्रतिमान बदल गया है। हाल के वर्षों में सुश्री सिकंद ने विशेष उत्पादों के माध्यम से जापान में बाजार की सेवा करने के लिए क्षमता विस्तार का नेतृत्व किया है। विशिष्ट उत्पाद और निर्यात अब महिमा इंडस्ट्रीज के राजस्व के बड़े हिस्से के लिए जिम्मेदार हैं। कुछ वस्तुएं जो पहले इन–हाउस बनाई जाती थीं, उन्हें छोटे स्थानीय निर्माताओं से मंगवाया जा रहा है। गुणवत्ता नियंत्रण और अनुसंधान एवं विकास में सुधार के लिए निवेश किया गया है। इसमें संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप से परीक्षण उपकरण आयात करना और भारत और अन्य देशों में प्रतिस्पर्धियों के साथ काम करने के अनुभव के साथ अनुसंधान सलाहकारों को काम पर रखना शामिल था।

सुश्री सिकंद का एक उद्योगपति के रूप में एक सफल करियर रहा है, और उन्हें नवोदित उद्यमियों के लिए एक आदर्श के रूप में पहचाना जाता है। पुरस्कार के बाद, उनके प्रधान मंत्री और अन्य उद्योगपतियों को शामिल करने वाली सभा को संबोधित करने की उम्मीद है। उद्योगों की ओर से आप उनसे कौन से प्रमुख बिंदु उठाना चाहेंगे? महिमा उद्योगों की सफलता में आप किन योगदान देने वाले कारकों को देखते हैं? सुशासन व्यवसायों को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनने में कैसे मदद कर सकता है? (20 अंक, 250 शब्द)

Q.10) You are the district magistrate of Kasigunj. The state government is pushing for digital solutions to improve health care delivery in remote areas. Government has introduced a digital patient registration and management system that can record disease history, prescribed treatment regimen, lab reports etc. The system can be accessed and operated through smart phones connected with the internet.

ASHA workers form the backbone of health and nutrition interventions in rural areas. To ensure that they can buy smart phones and assess the patient registration and monitoring system, the state government has provided a one-time grant of six thousand to them. Government is also providing 1 GB/day high speed data to ASHA workers. However, the new phone and internet is used more for streaming videos or browsing social network sites and after the lockdown, for attending online classes by their children.

To ensure that the phone and internet is being used for its intended purpose, the government has made it mandatory for every ASHA worker to download a new mobile application. The new mobile application allows officials to directly manage devices of ground-level public health workers. The application tracks daily work and provides insights on how a person uses the handset. The ASHA workers have gone on strike against this directive. They allege that the application violates the privacy of women and can monitor their personal conversations, access photographs, and record audio or video through remote access.

The new dispute and strike threaten to derail not only the digitization drive in public health services but also the recruitment of women as ASHA due to misgivings about invasion of privacy and misuse of technology.

In this situation, following choices are available to you for resolving the crisis:

a) Abandon the requirement for mandatory downloading of the new application on smartphones.
b) Stop providing free data to ASHA workers to avoid misuse of government resources.
c) Take strict action against ASHA workers who are on strike.

Suggest any other possible option(s). Evaluate all of them and suggest the best course of action, giving your reasons for it. (20 marks, 250 words)

आप काशीगंज के जिलाधिकारी हैं। राज्य सरकार दूर–दराज के इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए डिजिटल समाधानों पर जोर दे रही है। सरकार ने एक डिजिटल रोगी पंजीकरण और प्रबंधन प्रणाली शुरू की है जो बीमारी के इतिहास, निर्धारित उपचार व्यवहार, प्रयोगशाला रिपोर्ट आदि को रिकॉर्ड कर सके। सिस्टम को इंटरनेट से जुड़े स्मार्ट फोन के माध्यम से एक्सेस और संचालित किया जा सकता है।

आशा कार्यकर्ता ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य और पोषण प्रयासों की रीढ़ हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि वे स्मार्ट फोन खरीद सकें और रोगी पंजीकरण और निगरानी प्रणाली का आकलन कर सकें, राज्य सरकार ने उन्हें छह हजार का एकमुश्त अनुदान प्रदान किया है। सरकार आशा कार्यकर्ताओं को 1 जीबी/दिन हाई स्पीड डेटा भी उपलब्ध करा रही है। हालाँकि, नए फोन और इंटरनेट का उपयोग वीडियो स्ट्रीमिंग या सोशल नेटवर्क साइटों को ब्राउज़ करने और लॉकडाउन के बाद, अपने बच्चों द्वारा ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेने के लिए अधिक किया जाता है।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि फोन और इंटरनेट का उपयोग अपने इच्छित उद्देश्य के लिए किया जा रहा है, सरकार ने प्रत्येक आशा कार्यकर्ता के लिए एक नया मोबाइल एप्लिकेशन डाउनलोड करना अनिवार्य कर दिया है। नया मोबाइल एप्लिकेशन अधिकारियों को जमीनी स्तर के सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के उपकरणों को सीधे प्रबंधित करने की अनुमति देता है। एप्लिकेशन दैनिक कार्य को ट्रैक करता है और इस बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है कि कोई व्यक्ति हैंडसेट का उपयोग कैसे करता है। इस निर्देश के विरोध में आशा कार्यकर्ता हड़ताल पर चली गई हैं। उनका आरोप है कि एप्लिकेशन महिलाओं की

गोपनीयता का उल्लंघन करता है और उनकी व्यक्तिगत बातचीत की निगरानी कर सकता है, तस्वीरों तक पहुंच सकता है, और रिमोट एक्सेस के माध्यम से ऑडियो या वीडियो रिकॉर्ड कर सकता है।
नए विवाद और हड़ताल से न केवल सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं में डिजिटलीकरण अभियान के पटरी से उतरने का खतरा है, बल्कि निजता के हनन और प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग के बारे में गलतफहमी के कारण आशा के रूप में महिलाओं की भर्ती भी हो रही है।
a) इस स्थिति में, संकट के समाधान के लिए आपके पास निम्नलिखित विकल्प उपलब्ध हैं:
b) स्मार्टफोन पर नए एप्लिकेशन को अनिवार्य रूप से डाउनलोड करने की आवश्यकता को छोड़ दें।
c) सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग से बचने के लिए आशा कार्यकर्ताओं को मुफ्त डेटा देना बंद करें।
हड़ताल पर रहने वाली आशा कार्यकर्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।
कोई अन्य संभावित विकल्प सुझाएं। उन सभी का मूल्यांकन करें और इसके लिए अपने कारण बताते हुए सर्वोत्तम कार्रवाई का सुझाव दें। (20 अंक, 250 शब्द)

Q.11) Garima Kumari has joined Flexible Industries Limited, a reputed manufacturing company. She has just passed out of engineering college. It has been her dream to work at the shop floor of a production company and she is very excited for her new job. Her friends call her gearhead because of her love for machines. She desires to prove her worth and has been working diligently for it.
During the training period, she has expressed a desire to work in the production department. But the gender attitude especially of blue-collar workers in the production department is not considered conducive for women. Traditionally, shop floors have been dominated by men. With no immediate gains in sight, the managers consider it an unfeasible burden to undertake any change among the workers relating to their attitude towards women. The Human resources department has communicated to Garima that after her probation period is over, she might be offered roles in 'Research & Development' department or 'Marketing' which have more women employees. Garima meets her HR manager and tells him again that she wants to work in the production department. Her manager tells her that the assembly line in production functions 24x7 and every worker in the production line works at least two night shifts a week. He further explains that workers in the production line are not much educated and are reluctant to take orders from female engineers. Job in the production line is physically demanding and not suitable for a girl. Garima is not satisfied with the answer of her HR manager.
Garima is feeling frustrated at her capabilities and aspirations not being appreciated enough only because of her gender. Seeing limited opportunities for her talent, she is thinking about resigning from the job to prepare for the civil services examination. You are Garima's best friend who happens to be a civil service aspirant. Garima calls you and asks for your advice. What advice would you give to her? According to you, what are the attributes of a good work culture? How can workplaces be made gender sensitive? (20 marks, 250 words)

गरिमा कुमारी एक प्रतिष्ठित निर्माण कंपनी फ्लेक्सिबल इंडस्ट्रीज लिमिटेड में शामिल हो गई हैं। वह अभी–अभी इंजीनियरिंग कॉलेज से पास हुई है। एक प्रोडक्शन कंपनी के शॉप फ्लोर पर काम करना उसका सपना रहा है और वह अपनी नई नौकरी के लिए बहुत उत्साहित है। मशीनों के प्रति उसके प्रेम के कारण उसके दोस्त उसे गियरहेड कहते हैं। वह अपनी योग्यता साबित करना चाहती है और इसके लिए लगन से काम कर रही है।
प्रशिक्षण अवधि के दौरान उसने उत्पादन विभाग में काम करने की इच्छा व्यक्त की है। लेकिन उत्पादन विभाग में विशेष रूप से ब्लू–कॉलर श्रमिकों का लिंग रवैया महिलाओं के लिए अनुकूल नहीं माना जाता है। परंपरागत रूप से, दुकान के फर्श पर

पुरुषों का वर्चस्व रहा है। तत्काल कोई लाभ नहीं होने के कारण, प्रबंधकों ने महिलाओं के प्रति उनके दृष्टिकोण से संबंधित श्रमिकों के बीच किसी भी बदलाव को करने के लिए इसे एक अक्षम्य बोझ माना है। मानव संसाधन विभाग ने गरिमा को सूचित किया है कि उनकी परिवीक्षा अवधि समाप्त होने के बाद, उन्हें 'अनुसंधान और विकास' विभाग या 'विपणन' में भूमिकाओं की पेशकश की जा सकती है जिसमें अधिक महिला कर्मचारी हैं। गरिमा अपने एचआर मैनेजर से मिलती है और उसे फिर से कहती है कि वह प्रोडक्शन डिपार्टमेंट में काम करना चाहती है। उसका प्रबंधक उसे बताता है कि उत्पादन में असेंबली लाइन 24×7 काम करती है और उत्पादन लाइन में प्रत्येक कर्मचारी सप्ताह में कम से कम दो रात की पाली में काम करता है। वह आगे बताते हैं कि प्रोडक्शन लाइन के कर्मचारी ज्यादा पढ़े–लिखे नहीं हैं और महिला इंजीनियरों से ऑर्डर लेने से हिचकते हैं। प्रोडक्शन लाइन में नौकरी शारीरिक रूप से कठिन होता है और लड़की के लिए उपयुक्त नहीं है। गरिमा अपने एचआर मैनेजर के जवाब से संतुष्ट नहीं है।

गरिमा अपनी क्षमताओं और आकांक्षाओं को केवल अपने लिंग के कारण पर्याप्त सराहना नहीं मिलने से निराश महसूस कर रही है। अपनी प्रतिभा के सीमित अवसरों को देखते हुए, वह सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए नौकरी से इस्तीफा देने के बारे में सोच रही है। आप गरिमा के सबसे अच्छे दोस्त हैं जो सिविल सेवा के इच्छुक हैं। गरिमा आपको कॉल करती है और आपकी सलाह मांगती है। आप उसे क्या सलाह देंगे? आपके अनुसार एक अच्छी कार्य संस्कृति के क्या गुण हैं? कार्यस्थलों को जेंडर संवेदनशील कैसे बनाया जा सकता है? (20 अंक, 250 शब्द)

Q.12) Universal Sisterhood of Dreams (USD) is an NGO run by Ms. Anuradha Sen, a popular celebrity. The NGO champions the cause of woman and child rights including issues like trafficking of women and children, bonded labor, child labor, underpaid-forced labor etc. USD has won multiple awards for running a shelter and a rehabilitation programme for victims of human trafficking. Due to the good work and direct involvement of a famous personality like Ms. Anuradha, USD receives substantial donations from corporate houses and philanthropists.

Ms. Anuradha also owns a clothing brand 'Sensation' and uses the profits from Sensation for funding USD. The manufacturing of the merchandise sold under the brand has been outsourced to a third-party vendor located in a country named Taba. Taba is an under-developed country with weak labor protection laws. The textile industry in Taba is infamous for sweatshops. In these sweatshops working conditions are miserable, labors are paid meager wages for long working hours, child labor and bonded labor is rampant and workplace safety is absent resulting in frequent industrial accidents. Recently, there was a huge fire in a textile factory manufacturing goods for Sensation. Seventeen people including nine children were killed in this fire. After the industrial accident, the issue of exploitation of laborers in Taba became a matter of global debate.

Sensation is facing heat and bad publicity on social media because of the use of sweatshops for manufacturing of its products. Ms. Anuradha and even her NGO USD are becoming victims of online trolls. This entire fiasco has negatively impacted the image of her NGO. Many former donors and philanthropists have preferred to disassociate themselves from the USD resulting in fund shortage in the NGO.

Ms. Anuradha discusses the entire situation with her financial and legal team. Her legal team tells her that all the relevant laws in Taba were followed by her contractor and the wage paid by it was above the minimum wages prescribed by law. Sensation has done nothing illegal and has no legal liability in this case. But Ms. Anuradha decided that she will ensure that her contractors are paying adequate wages and providing good working conditions to their employees. This can help in not only rebuilding her own reputation and image of USD but also re-attract donors. However, her financial team advises her against this move as it will involve substantial cost for the company. This can lead to a profitable

brand turning into a loss-making brand. Further, it will also negatively impact the finances for USD which is already facing a resource crunch. Lack of resources can lead to closure of the shelter home and rehabilitation programme run by her NGO. Now, Ms. Anuradha is in a dilemma about her future course of action.

a) Bring out and discuss various ethical dilemmas faced by Ms. Anuradha in this case.
b) If you were in her position, how would you approach the problem and what would be your course of action? Justify your choices. (20 marks, 250 words)

यूनिवर्सल सिस्टरहुड ऑफ ड्रीम्स (USD) एक लोकप्रिय हस्ती सुश्री अनुराधा सेन द्वारा संचालित एक गैर सरकारी संगठन है। एनजीओ महिलाओं और बच्चों की तस्करी, बंधुआ मजदूरी, बाल श्रम, कम वेतन वाले जबरन श्रम आदि जैसे मुद्दों सहित महिला और बाल अधिकारों के लिए चैंपियन है। USD ने मानव तस्करी के पीड़ितों के लिए एक आश्रय और पुनर्वास कार्यक्रम चलाने के लिए कई पुरस्कार जीते हैं। सुश्री अनुराधा जैसी प्रसिद्ध हस्ती के अच्छे काम और प्रत्यक्ष भागीदारी के कारण, USD को कॉर्पोरेट घरानों और परोपकारी लोगों से पर्याप्त दान मिलता है।

सुश्री अनुराधा एक क्लोदिंग ब्रांड 'सेंसेशन' की भी मालिक हैं और सेंसेशन से होने वाले लाभ का उपयोग USD के वित्तपोषण के लिए करती हैं। ब्रांड के तहत बेचे जाने वाले माल का निर्माण ताबा नाम के देश में स्थित तीसरे पक्ष के विक्रेता को आउटसोर्स किया गया है। ताबा कमजोर श्रम सुरक्षा कानूनों वाला एक अल्प विकसित देश है। ताबा में कपड़ा उद्योग स्वेटशॉप के लिए बदनाम है। इन स्वेटशॉप में काम करने की स्थिति दयनीय है, मजदूरों को लंबे समय तक काम करने के लिए अल्प मजदूरी का भुगतान किया जाता है, बाल श्रम और बंधुआ मजदूरी बड़े पैमाने पर होती है और कार्यस्थल की सुरक्षा की कमी होती है जिसके परिणामस्वरूप अक्सर औद्योगिक दुर्घटनाएं होती हैं। हाल ही में सेंसेशन के लिए सामान बनाने वाली एक कपड़ा फैक्ट्री में भीषण आग लग गई थी। इस आग में नौ बच्चों समेत 17 लोगों की मौत हो गई थी। औद्योगिक हादसे के बाद तबा में मजदूरों के शोषण का मामला वैश्विक बहस का विषय बन गया।

अपने उत्पादों के निर्माण के लिए स्वेटशॉप के उपयोग के कारण सेंसेशन को सोशल मीडिया पर गर्मी और खराब प्रचार का सामना करना पड़ रहा है। सुश्री अनुराधा और यहां तक कि उनका एनजीओ ब्रैंच भी ऑनलाइन ट्रोल का शिकार हो रहा है। इस पूरे उपद्रव ने उनके एनजीओ की छवि को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। कई पूर्व दाताओं और परोपकारी लोगों ने खुद को ब्रैंच से अलग करना पसंद किया है जिसके परिणामस्वरूप एनजीओ में फंड की कमी हुई है।

सुश्री अनुराधा अपनी वित्तीय और कानूनी टीम के साथ पूरी स्थिति पर चर्चा करती हैं। उसकी कानूनी टीम उसे बताती है कि उसके ठेकेदार ने ताबा में सभी प्रासंगिक कानूनों का पालन किया और उसके द्वारा भुगतान की गई मजदूरी कानून द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी से अधिक थी। सेंसेशन ने कुछ भी अवैध नहीं किया है और इस मामले में कोई कानूनी दायित्व नहीं है। लेकिन सुश्री अनुराधा ने फैसला किया कि वह यह सुनिश्चित करेंगी कि उनके ठेकेदार पर्याप्त मजदूरी का भुगतान कर रहे हैं और अपने कर्मचारियों को अच्छी काम करने की स्थिति प्रदान कर रहे हैं। यह न केवल उसकी अपनी प्रतिष्ठा और ब्रैंच की छवि के पुनर्निर्माण में मदद कर सकता है बल्कि दाताओं को फिर से आकर्षित कर सकता है। हालाँकि, उसकी वित्तीय टीम उसे इस कदम के खिलाफ सलाह देती है क्योंकि इसमें कंपनी के लिए पर्याप्त लागत शामिल होगी। इससे एक लाभदायक ब्रांड घाटे में चल रहे ब्रांड में बदल सकता है। इसके अलावा, यह ब्रैंच के लिए वित्त को भी नकारात्मक रूप से प्रभावित करेगा जो पहले से ही संसाधनों की कमी का सामना कर रहा है। संसाधनों की कमी के कारण उसके एनजीओ द्वारा चलाए जा रहे आश्रय गृह और पुनर्वास कार्यक्रम को बंद करना पड़ सकता है। अब, सुश्री अनुराधा अपने भविष्य की कार्रवाई को लेकर दुविधा में हैं।

a) इस मामले में सुश्री अनुराधा के सामने आने वाली विभिन्न नैतिक दुविधाओं को सामने लाएं और उन पर चर्चा करें।
b) यदि आप उसकी स्थिति में होते, तो आप समस्या का समाधान कैसे करते और आपकी कार्यशैली क्या होती? अपने विकल्पों का औचित्य सिद्ध करें। (20 अंक, 250 शब्द)